आर्थिक स्थिति एक समीक्षा

01

आर्थिक स्थिति - एक समीक्षा

अर्थव्यवस्था का विहंगावलोकन :

1 भारत

भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर में वर्ष 2020–21 एवं 2021–22 में क्रमशः -7.3 एवं 9.2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। भारत वैश्विक परिदृश्य में सबसे ज्यादा युवा कार्यशील जनसंख्या वाले देश के रूप में उभर रहा है। साथ ही, हमारे देश में शहरीकरण में वृद्धि हुई है। ग्रामीण विकास, विकेन्द्रीकरण, महिला सशक्तिकरण, शहरीकरण, उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास एवं विस्तार, उन्नत संचार एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास, अंतरिक्ष प्रोद्यौगिकी में विकास, तथा 65 प्रतिशत युवा जनसंख्या आदि वे सकारात्मक बिन्दु हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ आधार प्रदान करते हैं।

2 छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ भारत में एक विशिष्ट स्थान रखता है जो कि वन बाहुल्य, विपुल खनिज संपदा से संपन्न एवं कम जनघनत्व वाला प्रदेश है। जनगणना 2011 के अनुसार छत्तीसगढ़ 2.55 करोड जनसंख्या के साथ देश का सोलहवां बड़ा राज्य है। जो कि भारत की कुल जनसंख्या का 2.11 प्रतिशत है। राज्य में सकल लिंगानुपात 991 (ग्रामीण क्षेत्र में 1001, शहरी क्षेत्र में 956) है, जो भारत संघ में 5वें स्थान को इंगित करता है। राज्य की साक्षरता दर 70.3% है, राज्य में शिशु मृत्यु दर वर्ष 2001 में 77 प्रति हजार थी, जो घटकर 2019 की स्थिति में 40 हो चुकी है। इसी प्रकार जन्म दर, मृत्यु दर, मातृत्व मृत्यु दर में कमी हुई है, जो प्रदेश में सुधरते स्वास्थ्य व्यवस्था को दर्शाता है।

मातृ मृत्यु दर 2001–03 में 1 लाख प्रति जीवित जन्मों पर भारत में 301 तथा राज्य में 379 थी। जो घटकर भारत व छत्तीसगढ़ में क्रमशः 113 व 159 (SRS Report 2016–18) हो गयी। SDG में 2030 तक मातृ मृत्यु अनुपात को 100 से कम लाने का लक्ष्य रखा गया है। विगत वर्षों में प्रदेश में गर्भवती माताओं का प्रसव अस्पतालों में कराने के प्रति विश्वास बढ़ा है। शासकीय अस्पतालों में NFHS–4 वर्ष 2015–16 में 55.9 प्रतिशत प्रसव होता था जो NFHS–5 वर्ष 2019–21 में बढ़कर 70.0 प्रतिशत हो गया है। NFHS–4 वर्ष 2015–16 में संस्थागत प्रसव 70.2 प्रतिशत प्रसव होता था जो NFHS–5 वर्ष 2019–21 में बढ़कर 85.7 प्रतिशत हो गया है।

छत्तीसगढ़ में शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम के कारण राज्य स्थापित होने से अब तक शिशु मृत्यु दर में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ में शिशु मृत्यु दर वर्ष 2001 में प्रति एक हजार जीवित जन्म

पर 77 थी, जो वर्ष 2019 की स्थिति में घटकर 40 हो गई है (SRS 2001,2018)। SDG में 2030 तक शिशु मृत्यु दर का लक्ष्य 15 रखा गया है।

3.1 सकल राज्य घरेलू उत्पाद –

किसी भी प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद उस प्रदेश की आर्थिक प्रगति को व्यक्त करता है। राज्य के सकल घरेलू उत्पाद–स्थिर भाव पर (GSDP) वर्ष 2012–13, 2013–14, 2014–15, 2015–16, 2016–17, 2017–18, 2018–19, 2019–20, 2020–21एवं 2021–22 में वृद्धि क्रमशः 5.00, 10.00, 1.77, 2.57, 12.13, 3.01, 11.28, 3.34, –1.37 एवं 11.54 तथा औसत वृद्धि 5.92 प्रतिशत दर्ज की गई। वर्ष 2021–22 में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की भागीदारी 16.73 प्रतिशत एवं उद्योग क्षेत्र की भागीदारी 50.61प्रतिशत अनुमानित है। इसी अवधि में सेवा क्षेत्र की भागीदारी 32.66 प्रतिशत रहने की संभावना है। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त जानकारी निम्नानुसार है :–

छत्तीसगढ़ राज्य का उद्योग समूहवार सकल राज्य घरेलू उत्पाद स्थिर मूल्य पर

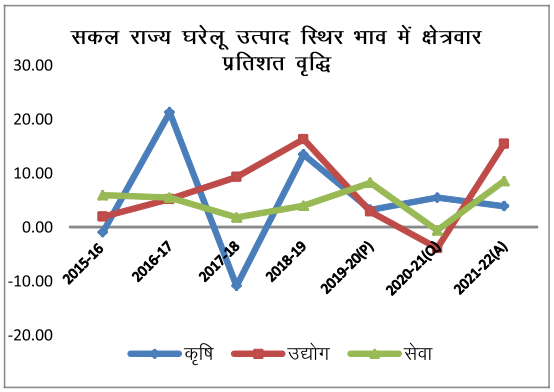

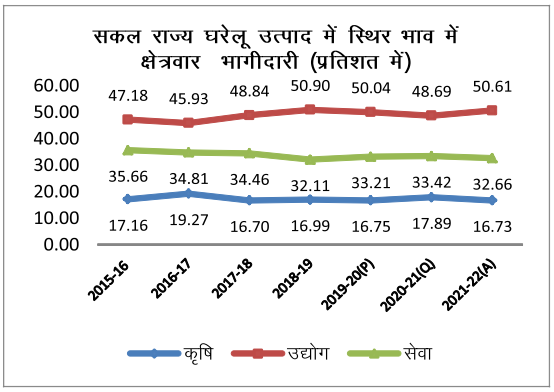

3.1.1 कृषिः– इस क्षेत्र में वर्ष 2016–17, 2017–18, 2018–19 ,2019–20, 2020–21 एवं 2021–22 में वृद्धि (स्थिर भाव पर) क्रमशः 21.28, –10.90, 13.49 3.21, 5.48 एवं 3.88 अनुमानित है। वर्ष 2012–13 से 2021–22 तक औसत वृद्धि 5.09 प्रतिशत दर्ज की गई। वर्ष 2016–17 में अच्छी फसल होने के कारण वृद्धिदर 21.28 प्रतिशत रही। वर्ष 2017–18 में प्रमुख कृषि फसलों के उत्पादन के कमी के कारण कृषि क्षेत्र में –10.90 प्रतिशत कमी रही। वर्ष 2011–12 में जहॉ सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 18.10 प्रतिशत थी, वहीं निरंतर किंतु धीमी गति से घटते हुए वर्ष 2021–22 में 16.73 प्रतिशत पर आ गई है।

3.1.2. उद्योगः– इस क्षेत्र में खनन, विनिर्माण, विद्युत, जलापूर्ति एवं निर्माण क्षेत्र शामिल हैं। वर्ष 2016–17, 2017–18, 2018–19 ,2019–20, 2020–21 एवं 2021–22 में उद्योग क्षेत्र में वृद्धि (स्थिर भाव पर) क्रमशः 5.19, 9.31, 16.29, 2.89, –3.89 एवं 15.44 अनुमानित है। वर्ष 2012–13 से 2021–22 तक

औसत वृद्धि 6.56 प्रतिशत दर्ज की गई। वर्ष 2011–12 में जहॉ सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में उद्योग क्षेत्र की हिस्सेदारी 47.27 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2021–22 में 50.61 प्रतिशत सम्भावित है।

3.1.3 सेवा क्षेत्रः– छत्तीसगढ़ में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए विगत वर्षों में निरंतर बढ़ रही है। इस क्षेत्र के अंतर्गत व्यापार, होटल एवं जलपान गृह, स्थावर संपदा एवं अन्य सेवाओं की सर्वाधिक भागीदारी है। वर्ष 2016–17, 2017–18, 2018–19, 2019–20, 2020–21 तथा 2021–22 में (स्थिर भाव पर) क्रमशः 5.48,1.79, 3.96, 8.24,–0.61 तथा 8.54 के वृद्धि अनुमानित है। वर्ष 2012–13 से 2021–22 तक औसत वृद्धि 5.04 प्रतिशत परिलक्षित हो रही है। वर्ष 2011–12 में जहॉ सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 34.63 प्रतिशत थी, यह वर्ष 2021–22 में 32.66 होना अनुमानित है।

4. वर्ष 2021–22 में धान (सामान्य) एवं धान (ग्रेड–ए) के समर्थन मूल्य क्रमशः 1,940 एवं 1,960 रू. प्रति क्विंटल भारत सरकार द्वारा घोषित किया गया। खरीफ वर्ष 2020–21 में 20.53 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर 92.02 लाख टन धान की खरीदी की गई थी। किसानों को 17,240.59 करोड़ रूपये धान का समर्थन मूल्य भुगतान किया गया है। इस वर्ष किसानों से 2,916.85 टन मक्का की खरीदी की गई तथा 539.61 लाख रूपये का भुगतान किया गया है। नवंबर 2021 की स्थिति में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में उचित मूल्य की दुकानें क्रमशः 1,535 तथा 11,709 संचालित हैं। वर्तमान में कुल 68.92 लाख राशनकार्ड प्रचलित हैं।

5.1 वित्तीय वर्ष 2020–21 में कुल राजस्व प्राप्तियॉ पिछले वर्ष की तुलना में 16.07 प्रतिशत बढ़कर राशि रू. 79,325.42 करोड़ अनुमानित है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में कुल कर राजस्व में 17.11 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है। कुल राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का योगदान 61.05 प्रतिशत अनुमानित है। गैर–कर राजस्व में प्रमुख योगदान केन्द्रीय सरकार से प्राप्त सहायक अनुदानों का है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में गैर–कर राजस्व रू. 30,900.00 करोड़ अनुमानित है, जिसमें केन्द्रीय सरकार से रू. 21,650.00 करोड़ प्राप्त होना अनुमानित है। वर्ष 2021–22 में राजस्व प्राप्ति रू. 79,325.42 करोड़ एवं राजस्व व्यय रू. 83,027.55 करोड़ अनुमानित है। इस प्रकार राजस्व घाटा रू. –3,702.13 करोड़ दर्शाता है।

5.2.1 वर्ष 2020-21 में वैट (प्रान्तीय) कर संग्रहण से सितंबर 2020 तक 1,472.25 करोड़ रू प्राप्त हुआ, तथा 31 मार्च 2021 की स्थिति में 4,203.50 करोड़ रू. प्राप्त हुआ। वर्ष 2021–22 में माह सितंबर 2021 तक 2,244.10 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

5.2.2 वर्ष 2020-21 में केन्द्रीय विक्रय कर संग्रहण से सितंबर 2020 तक 5.91 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, तथा 31 मार्च 2021 की स्थिति में 31.82 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई। साथ ही वर्ष 2021–22 में माह सितंबर 2021 तक 6.79 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

5.2.3 वर्ष 2020-21 में प्रवेश कर संग्रहण से सितंबर 2020 तक 11.07 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ है, तथा 31 मार्च 2021 की स्थिति में 79.26 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई है। साथ ही वर्ष 2021–22 में माह सितंबर 2021 तक 15.07 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

5.2.4 वर्ष 2020-21 में स्थानीय कर संग्रहण से सितंबर 2020 तक 0.05 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ है, तथा 31 मार्च 2021 की स्थिति में 0.14 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई है। साथ ही वर्ष 2021–22 में माह सितंबर 2021 तक 0.10 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

5.2.5 वर्ष 2020–21 में SGST संग्रहण से माह सितंबर 2020 तक 2,256.82 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, तथा ISGST संग्रहण से 779.05 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ। साथ ही क्षतिपूर्ति के रूप में राज्य को 1,876.56 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है।

5.2.6 वर्ष 2020–21 में SGST संग्रहण से 31 मार्च 2021 तक 5,444.13 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, तथा ISGST संग्रहण से 2,621.09 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ। साथ ही क्षतिपूर्ति के रूप में राज्य को 3,212.15 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है।

5.2.7 वर्ष 2021–22 में SGST संग्रहण से माह सितंबर 2021 तक 3,161.99 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका हैं, तथा ISGST संग्रहण से 1176.67 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है। साथ ही क्षतिपूर्ति के रूप में राज्य को 633.82 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है।

6.1 छत्तीसगढ़ राज्य की बैंकिंग गतिविधियों में निरंतर वृद्धि हो रही है। राज्य में जून 2021 की स्थिति में शाखाओं की संख्या 3,136 एवं एटीएम की संख्या 3,320 है। जिनमें कुल जमा 1,92,324.30 करोड़ रूपये है। प्राथमिकता क्षेत्र में आबंटित ऋण में जून 2020 की तुलना में जून 2021 में 6.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

7. वर्ष 2021–22 (माह अप्रैल से सितम्बर तक) में राज्य की मंडियों में 18,13,299 टन अनाज की आवक हुई है, जो कि इसी अवधि में गत वर्ष की तुलना में 1,95,223 टन कम है। वर्ष 2020–21 में 2,955 हेक्टेयर में आम पौध रोपण कार्य किया गया। वर्ष 2021–22 में 2,576.00 हेक्टेयर क्षेत्र हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है एवं माह नवंबर 2021 तक 2,526.5 हेक्टेयर क्षेत्र में आम पौध रोपण कार्य किया गया है। राज्य में वर्तमान में 69 कृषि उपज मंडियाँ एवं 118 उप–मंडियाँ कार्यरत हैं।

7.1 वर्तमान में 08 वृहद, 37 मध्यम, 2,477 लघु सिंचाई योजनाएं तथा 30 नलकूप योजना एवं 806 एनीकट/स्टॉपडेम निर्मित हैं। जबकि 04 वृहद, 01 मध्यम एवं 333 लघु सिंचाई योजनाएं तथा 01 नलकूप योजना एवं 161 एनीकट/स्टॉपडेम निर्माणाधीन हैं।

7.2 राज्य में वर्ष 2021–22 की अवधि में पशुओं में उन्नत प्रजनन सुविधा हेतु 22 कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, 248 हिमीकृत वीर्य कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र, 341 पशु चिकित्सालय, 829 पशु औषधालय, 10 मुख्य ग्राम खण्ड, 99 मुख्य ग्राम खण्ड ईकाई कार्यरत हैं। राज्य में कुल जल क्षेत्र का 94.38% जल क्षेत्र मछली पालन अंतर्गत विकसित किया जा चुका है, जो ग्रामीण क्षेत्रों की बेरोजगारी दूर करने का सशक्त एवं रोजगारोन्मुखी साधन है।

7.3 गोधन न्याय योजना के तहत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा कुल 21,647 पशुपालकों से 13,40,415.43 क्विंटल गोबर की खरीदी की जा चुकी है, वर्तमान में कुल 2,53,945.88 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट, 21,076.47 क्विंटल गोकाष्ठ, 1,49,369.59 क्विंटल सुपर कम्पोस्ट तैयार किया जा चुका है तथा इनके विक्रय से कुल राशि रू. 10,10,74,781.30 प्राप्त की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त महिला स्व सहायता समूहों द्वारा गोबर से कुल 39,507.20 क्विंटल कण्डे एवं दीया बनाकर राशि रू. 51,06,512.00 की आय अर्जित की गई है।

8.1 31 मार्च 2021 की स्थिति में कोयले का उत्पादन 1,57,477 हजार टन, लौह अयस्क का 37,707 हजार टन, चूना पत्थर का 35,577 हजार टन, बाक्साइट का 720 हजार टन, तथा टिन का 13,673 कि. ग्राम उत्पादन हुआ है।

8.2 विगत वर्ष 2020–21 में मुख्य खनिज से 4,676.08 करोड़ आय हुई, जहां गौण खनिज से उसी अवधि में 260.95 करोड़ आय हुई है। राज्य की खनिज राजस्व आय मूलतः कोयला एवं लौह अयस्क से ही प्राप्त होती है। राज्य में वर्ष 2019–20 में खनिजों से कुल राजस्व आय 6,195.73 करोड़ थी। वर्ष 2020–21 में 5,517.01 करोड़ राजस्व आय प्राप्त हुई।

9.1 राज्य में सुनियोजित विकास के लिये वर्तमान में ''औद्योगिक नीति 2019–24'' अपनायी गई है। छत्तीसगढ़ राज्य में लगभग 19,265 करघों पर लगभग 57,795 बुनकर प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार में संलग्न हैं।

10.1 राज्य शासन के अधीन विद्युत संयंत्रों द्वारा वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान 18,857.681 मिलियन यूनिट (तापीय 18389.35 जलीय 462.532 एवं अन्य सह–उत्पादन 5.811 मिलियन यूनिट) विद्युत का उत्पादन किया गया। अक्टूबर 2021 की स्थिति में कुल स्थापित क्षमता 2,984.70 मेगावाट है। इसमें 2,840 मेगावाट ताप विद्युत, 138.7 मेगावाट जल विद्युत तथा 6 मेगावाट अन्य (सह–उत्पा.) की स्थापित क्षमता है। वर्ष 2020–21 में वितरण हानि का प्रतिशत 16.84 रहा।

10.2 घरेलू उपभोक्ताओं को विद्युत देयकों में राहत योजनांतर्गत वर्श 2020–21 में अगस्त 2021 तक राज्य के लगभग 40.22 लाख उपभोक्ताओं को रू. 405.89 करोड़ की छूट योजना के अंतर्गत दी जा चुकी है।

11. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत वर्ष 2021–22 में सितंबर तक कुल उपलब्ध राशि रु. 2,679.20 करोड़ के विरुद्ध राशि रु. 2,270.06 करोड़ व्यय कर 737.82 लाख मानव दिवस सृजित किए गए। वर्ष 2021–22 में सितंबर तक 100 दिवस रोजगार उपलब्ध कराये गये परिवारों की संख्या 32,405 है।

12. वर्ष 2021–22 में सितंबर 2021 की स्थिति में राज्य के 19,676 ग्रामों के 74,982 बसाहटों में **3,04,303** हैंडपंप स्थापित कर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य में **4,334** नलजल प्रदाय योजनाएं एवं 2,342 स्थल जलप्रदाय योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल प्रदाय किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत वर्ष 2021–22 में सितंबर, 2021 की स्थिति में कुल 65,500 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया गया है।

13. वर्ष 2020–21 माह सितंबर 20 तक 1,26,064 वाहनों का रजिस्ट्रेशन किया गया तथा वर्षान्त (31 मार्च 21) तक 4,09,296 वाहनों का रजिस्ट्रेशन किया गया है। वर्ष 2021–22 में माह अगस्त 21 तक 1,17,360 वाहनों का रजिस्ट्रेशन किया गया है।